टाटा टेली ने जापानी कंपनी को बेची 26% हिस्सेदारी

एजेंसी, टोक्यो

जापान की सबसे बड़ी टेलीकॉम सर्विस प्रदाता कंपनी एनटीटी डोकोमो ने बुधवार को कहा कि वह टाटा टेलीसर्विसेज की 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। इस जापानी कंपनी ने कहा है कि वह भारत की इस छठी बड़ी टेलीकॉम सर्विस प्रदाता कंपनी की हिस्सेदारी 2.2 अरब डॉलर (13500 करोड़ रुपए) में खरीदेगी।

दरअसल टाटा टेलीसर्विसेज अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए काफी समय से खरीदार ढूंढ रही थी। इस बीच से एनटीटी डोकोमो को दुनिया के सबसे बड़े वायरलेस मार्केट में जगह मिल जाएगी। एनटीटी डोकोमो लंबे समय से इस मार्केट में अपने का इंतजार कर रही थी। एक ओर एनटीटी डोकोमो अपने पैर एशिया में फैला रही है (हाल ही उसने बांग्लादेश में एक कंपनी में हिस्सेदारी ली है), वहीं उसे हुए ने ग्लोबल बाइसिस को देखते हुए अपने अभियान की योजनाएं टाल दी हैं। डोकोमो के भारत आने का मकसद यहां के तेजी से फैलते मोबाइल बाजार में अपनी दखल बढ़ाना है। चीन के बाद भारत का मोबाइल फोन बाजार सबसे बड़ा है। अब तक यहां के ऑपरेटर सैकंड जनरेशन यानि 2जी सर्विस देते रहे हैं, लेकिन जल्दी ही यहां थर्ड और फोर्थ जनरेशन यानि 3जी व 4जी सेक्टम की ग्लोबल नीलामी होनी है। इसके बाद देश में मोबाइल की दुनिया काफी

■ समझौते के बाद हाथ मिलाते एनटीटी डोकोमो के प्रेसिडेंट तकामोरी यमादा (दाएं) और टाटा टेलीसर्विसेज के प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना।

बदल जाएगी। देश में इस समय 31 करोड़ मोबाइल कनेक्शन हैं। ये अमेरिका की आबादी से भी ज्यादा हैं। साथ ही ये संख्या जापान के कुल मोबाइल बाजार की तीन गुणा है। रिसर्च फर्म गार्टनर का कहना है कि 2012 तक भारत में मोबाइल कनेक्शन की संख्या दोगुनी हो जाएगी। वहीं जापान में मोबाइल बाजार में अब बढ़ने की गुंजाइश बेहद कम है। भारतीय बाजार में अभी टेलीनॉर और एएसएनटेल जैसे विदेशी ऑपरेटर अपनी सेवाएं शुरू करने वाले हैं, वहीं सिस्टमा ने परिचालन शुरू भी कर दिया है।